

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 14, ईसा। 28-29 © जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 14, यशायाह अध्याय 28 और 29 है।

आइए प्रार्थना से शुरू करें। पिता, हम आपकी अच्छाई से प्रसन्न हैं। आपकी अच्छाई हर सुबह नई होती है। बारिश, बर्फ, कोहरा, भूरा, बादल, सूरज, गर्म हवाएं, हरी घास, तुम वही हो। तुम मत बदलो। हमारे प्रति आपके इरादे हमेशा अच्छे हैं और हम आपकी प्रशंसा करते हैं। आपका धन्यवाद कि यद्यपि हम अक्सर ओस की तरह परिवर्तनशील होते हैं, आप अपरिवर्तनीय हैं।

धन्यवाद। आज रात हमारे बीच आपकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद। आपकी गहरी इच्छा के लिए धन्यवाद कि हम आपके शब्दों को समझ सकें और इसे अपने जीवन में लागू कर सकें और इस प्रकार आपको जान सकें और जीवन को जान सकें।

हमारी मदद करो प्रभु. जैसे ही मैं पढ़ाता हूँ मेरी मदद करो। उन सभी की मदद करें जो सुनते हैं और बातचीत करते हैं। हमें एक दूसरे से सीखने में मदद करें। हे पिता, बोल, क्योंकि हम सुन रहे हैं। आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

मैं कई वर्षों से टिंडेल हाउस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित वन ईयर बुक ऑफ हाइमन्स नामक पुस्तक का उपयोग कर रहा हूँ। मैंने अतीत में इसका उल्लेख किया है। मुझे आज वाला हमेशा पसंद आया है।

वे उसी दिन जानते हैं जब भजन 4 फरवरी को लिखा गया था, और यह फ्रांसिस हावेर्गल का ऑल फॉर जीसस था। और टिप्पणीकार, विलियम पीटरसन का कहना है कि वह अर्दली हाउस में एक अतिथि थी, मैं एक देहाती घर मानता हूँ, मैं डाउनटन एबे जितना बड़ा नहीं मानता, लेकिन फिर भी, इंग्लैंड में पांच दिनों के लिए एक देहाती घर। और उसने कहा कि जब मैं आई तो मैंने प्रार्थना की कि दिन खत्म होने से पहले यहां हर किसी को यीशु का अनुभव हो।

और यह सच है। इन पांच दिनों के दौरान यहां हर कोई परिवर्तित हो गया है या अपना जीवन पुनः समर्पित कर दिया है। और उसने कहा, मैंने सारी रात बस सोचते-सोचते, स्तुति और प्रार्थना करते-करते बिता दी।

और ये दोहे भजन के बाकी हिस्सों के बारे में बात करते हुए मेरे पास आए और मैं जो सोच सका वह सब यीशु के लिए था, सब कुछ यीशु के लिए था, मेरे अस्तित्व की सभी छुड़ौती शक्तियों के बारे में था। और फिर टिप्पणीकार, जो मुझे नहीं लगता कि वेस्लेयन है, उसका अंतिम वाक्य यह है। इस घटना से दो सप्ताह पहले, उसने अपना जीवन पूर्ण समर्पण के साथ ईसा मसीह को समर्पित कर दिया था।

वह पवित्र हो गई थी. और 14 दिन बाद, वह घर में सभी को यीशु के पास जीत रही है।
आखिरकार पवित्रीकरण इसी के बारे में है।

तो जैसे भी, बढ़िया दिन है। यशायाह 28 से 29। करेन ने मुझे याद दिलाया कि मेरे पास पहले
अध्याय पर 45 मिनट और दूसरे अध्याय पर 15 मिनट खर्च करने की यह बेहतरीन सुविधा है।

तो, मुझे आश्चर्य है, क्या आगे बढ़ने से पहले अध्याय 27 पर कोई प्रश्न हैं? कोई ऐसी चीज़ जिसके
बारे में आप बात करना चाहते थे और हमने नहीं की, तो मुझे वह करनी चाहिए? ठीक है। करेन,
उनके पास मौका था। ठीक है।

अब हम विश्वास के साथ इन पाठों के अगले भाग पर विचार कर रहे हैं। पहला खंड अध्याय 13 से
23 तक था। और उन अध्यायों का विषय क्या था? हे भगवान, शायद मुझे आखिरकार ट्रक
चलाना ही पड़ेगा।

राष्ट्रों पर भरोसा मत करो. हाँ। राष्ट्रों के विरुद्ध न्याय के दैवज्ञ।

और भगवान कह रहे हैं, उन पर भरोसा मत करो। वे सभी आपके ईश्वर के न्याय के अधीन हैं,
और उनमें से कई आपके ईश्वर में विश्वास करने जा रहे हैं। फिर हमने अध्याय 24 से 27 को
देखा।

वहां का विषय क्या था? विश्वास में पाठ जारी रखना। इतिहास के मंच पर ईश्वर सर्वप्रभु अभिनेता
है। वह रिएक्टर नहीं है.

यह राष्ट्र नहीं हैं जो निर्णय ले रहे हैं कि क्या होगा और फिर भगवान कह रहे हैं, ठीक है, मुझे
आश्चर्य है कि मुझे इसके बारे में क्या करना चाहिए। ईश्वर इतिहास के नियंत्रण में है और अपने
अच्छे उद्देश्यों को पूरा कर रहा है। आज रात फिर हम अध्याय 13 से 35 में तीसरे खंड की ओर
मुड़ते हैं।

हमने 13 से 23, 24 से 27 देखा। अब हम 28 से 33 देख रहे हैं। 34 और 35 निष्कर्ष हैं।

तो, हम उस विभाजन को देखना शुरू कर रहे हैं। हमने पिछले सप्ताह कहा था, ये अध्याय
विशिष्ट हैं, विशेष राष्ट्रों के बारे में बात करते हुए। ये अध्याय कुछ अधिक सामान्य हैं, जो राष्ट्रों पर
ईश्वर के शासन के बारे में बात करते हैं।

और अब हम विशेष रूप से वापस जाते हैं, विशेष रूप से यहूदा और यहूदा की स्थिति के बारे में
बात करते हैं क्योंकि समय बीत चुका है। यदि आपको याद हो, तो अध्याय 6 का समय 739 ईसा
पूर्व का हो सकता है, और हम जानते हैं कि अध्याय 36 से 39 लगभग 701 ईसा पूर्व के हैं। तो,
अध्याय 6 और अध्याय 36 के बीच के ये अध्याय मोटे तौर पर इसी कालक्रम का अनुसरण कर
रहे हैं।

अब, बिल्कुल नहीं। वास्तव में, आज रात हम जिस पहले परिच्छेद के बारे में यहां बात करेंगे वह एक प्रश्न खड़ा करता है। लेकिन आम तौर पर, क्या किसी को याद है कि 722 ईसा पूर्व में क्या हुआ था? सामरिया गिर गया, उत्तरी साम्राज्य की राजधानी, आखिरी होल्डआउट।

तो, इस समय से, यहूदा अपने दम पर है। असीरिया की सीमा यरूशलेम से छह मील उत्तर में है। अब, असीरिया ने उस तरह कब्ज़ा नहीं किया जैसा हम सोचते हैं कि आज एक सेना कब्ज़ा कर रही है।

वे वहां एक सैन्य गवर्नर के साथ एक सैन्य इकाई स्थापित करेंगे, और वे उस स्थान को उन सभी करों के लिए सोख लेंगे जो उन्हें मिल सकते थे। लेकिन यह वास्तव में एक अर्थ में व्यवसाय नहीं था। लेकिन फिर भी, 722 के बाद, पलिशतियों को छोड़कर, यहूदा वास्तव में इन छोटे देशों में से एकमात्र है, जो अभी भी अपनी जगह पर है।

और इसलिए, जैसा कि मैंने तुमसे पहले कहा था, अशशूर मिस्र की ओर बढ़ रहा है। यही अंतिम लक्ष्य है। वे इसी तक पहुंचना चाहते हैं।

वह इंद्रधनुष के अंत में सोने का बर्तन है। और इसलिए, वे तटीय सड़क से नीचे आ रहे हैं। आपके पास फिर से यह पहाड़ी है जो इस तरह ऊपर की ओर बढ़ती है, और फिर उस तरह।

और इसलिए, मुख्य राजमार्ग यहाँ, और तट के उस पार, और नीचे आता है। तो, यहाँ यहूदा है। यहाँ फ़िलिस्ती हैं।

और यहाँ नीचे, निस्संदेह, मिस्र है। इसलिए, इन वर्षों के दौरान, 722 के बाद, जब सामरिया का पतन हुआ था, पलिशतियों और उनके कुछ समय के सहयोगी, यहूदियों को छोड़कर, अशशूरियों के लिए रास्ते में वास्तव में कुछ भी नहीं था। तो, मुद्दा यह है कि हम क्या करने जा रहे हैं? सीरिया चला गया।

इजराइल चला गया। ये दो राष्ट्र जिनसे हम अध्याय 7 में बहुत भयभीत थे। अम्मोन तस्वीर से काफी हद तक बाहर है। मोआब काफी हद तक बाहर है।

एदोम अभी भी वहाँ है, लेकिन वे किसी के लिए कुछ नहीं करने जा रहे हैं। पलिशतियों का प्रति वर्ष विनाश होता जा रहा है। और फिर, याद रखें कि बरसात के मौसम, सर्दियों के मौसम के दौरान, सेनाएँ अभियान नहीं चलाती थीं।

क्या आपको याद है डेविड मुसीबत में पड़ गया था? क्योंकि वर्ष के वसन्त में, जब राजा युद्ध के लिये निकलते हैं, वह नहीं गया। उसने अपनी सेना भेज दी, और वह लड़कियों को देखने के लिए घर पर ही रुक गया। तो हम क्या करने जा रहे हैं? असीरियन तब तक इंतजार कर सकते हैं जब तक कि वे पलिशतियों की देखभाल नहीं कर लेते, लेकिन वे दक्षिण की ओर ज्यादा दूर नहीं जाएंगे, जब तक कि यहां उनके पीछे एक संभावित दुश्मन मौजूद है।

तो, हम जानते हैं। हम निर्धारित हैं। हम अगले हैं।

हम क्या करने जा रहे हैं? और ये अध्याय, 28 से 33, स्पष्ट रूप से लगभग 710 से 701 तक की उस समयावधि पर केंद्रित हैं जब आतंक लगातार बढ़ रहा था। असीरियन अच्छे लोग नहीं थे। उन्होंने नाज़ियों को अच्छा दिखाया।

उन्होंने आतंक और पाशविक बल द्वारा शासन किया। तो हम क्या करने जा रहे हैं? और यही वह चुनौती है जो इस समय यहूदी नेतृत्व के सामने है। यह वही है जो यशायाह ने लगभग 735 में, अध्याय 7 और 8 में भविष्यवाणी की थी। यदि आप अब भगवान पर भरोसा नहीं करेंगे, आहाज़, वह दिन आएगा जब असीरियन आपके देश में बाढ़ ला रहे हैं।

हो चुका है। तो हम क्या करने जा रहे हैं? और ये अध्याय इसी से निपट रहे हैं। अब, इन अध्यायों में दोहराए गए तत्वों में से एक वह हिब्रू शब्द है जिसके बारे में हम पहले बात कर चुके हैं, शोक।

वाह नहीं, बल्कि शोक है। अब, मुझे नहीं पता क्यों। मैं समिति में नहीं था।

लेकिन, किसी न किसी कारण से, अंग्रेजी मानक संस्करण इनमें से पहले चार का अनुवाद आह के रूप में करता है, और फिर अगले एक के लिए शोक पर वापस जाता है। इसलिए, मुझे नहीं पता कि वे क्या कर रहे हैं। जैसा कि मैंने आपसे पहले कहा है, मुझे पता है कि उन्होंने आह का अनुवाद क्यों किया, क्योंकि उस शब्द का कोई समकालीन अंग्रेजी अनुवाद नहीं है।

अफसोस, सबसे अच्छा अंग्रेजी अनुवाद है, लेकिन यह, ज़ाहिर है, पुरातन है। हममें से कोई भी ऐसा नहीं कहता। लेकिन, इससे दुःख का एहसास होता है, जब हम अक्सर शोक शब्द का उपयोग करते हैं या बाइबिल में शोक शब्द पढ़ते हैं, तो हम अक्सर उसके बारे में नहीं सोचते हैं।

हम अक्सर इसे सिर्फ निंदा ही समझते हैं। आप को अभिशाप! आप इसे प्राप्त करने जा रहे हैं, और मुझे खुशी होगी। लेकिन, दुःख की यह भावना और भी अधिक है, और मुझे यकीन है कि ईएसवी अनुवादक यही करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह इसे प्राप्त कर पा रहा है।

लेकिन, दोस्तों, यहाँ एक अंतिम संस्कार होने वाला है। क्या शब्द कयामत है? हां, हां। हम, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन में, किसी प्रकार की समसामयिक अभिव्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास करने के लिए संघर्ष करते हैं, और ऐसा करना बहुत कठिन है।

लेकिन, यही विचार है। हाँ, तुम्हारे सामने कयामत है। आपके सामने त्रासदी है।

और, यह शब्द दोहराया गया है। यदि आपको अपनी बाइबिल वहां मिल गई है, तो पहला 28-1 है, अगला 29-1 है, तीसरा 29-15 है, चौथा 30-1 है, पांचवां 31-1 है, और यह वह जगह है जहां ईएसवी अब, किसी अज्ञात कारण से, संकट में वापस चला जाता है, और आखिरी, जहां ईएसवी फिर से एच पर वापस जाता है, 33-1 है। अध्याय 32 की कोई शुरुआत नहीं है, और जब हम वहां पहुंचेंगे तो हम इस बारे में बात करेंगे कि मुझे ऐसा क्यों लगता है।

लेकिन, तो, धिक्कार है। अब, दूसरी चीज़ जिसका हम सामना करने जा रहे हैं, और हम इसे देखेंगे, विशेष रूप से अगले सप्ताह, लेकिन यहाँ वजन का पूरा मुद्दा है। और इसलिए, जो शीर्षक मैं इस उपविभाग को देता हूँ, 28-33, वह है शोक उन लोगों के लिए जो इंतजार नहीं करेंगे।

धिक्कार है उन पर जो प्रतीक्षा नहीं करेंगे। अब, आप में से कई लोग इन सत्रों में इतने वफादार रहे हैं, इसलिए मुझे आशा है कि आपको याद होगा, हिब्रू में प्रतीक्षा का पर्यायवाची क्या है? विश्वास। हाँ।

उस महिला को एक स्वर्ण सितारा दो। धिक्कार है उन पर जो परमेश्वर पर भरोसा नहीं रखेंगे। संकट की इस घड़ी में, त्रासदी की इस घड़ी में, आगे उन लोगों का अंतिम संस्कार है जो ईश्वर पर भरोसा नहीं करेंगे और उसके मार्गदर्शन देने, अपना समाधान प्रकट करने और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने की प्रतीक्षा करके इसका प्रदर्शन नहीं करेंगे।

तो, यह उसका एक सिंहावलोकन है जो हम यहां देख रहे हैं। दो अन्य बातें जिनका मैं उल्लेख करना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि आप संकटों में बढ़ती हुई विशिष्टता देखेंगे।

वास्तव में वह कौन सी समस्या है जिससे हम यहाँ निपट रहे हैं? आज रात, अभी भी काफी सामान्य रहने वाली है, लेकिन अगले सप्ताह इस पर थोड़ा अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, और उसके बाद के सप्ताह में जो चल रहा है उस पर और भी अधिक तीव्रता से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तो, यह एक बात है, संकटों में विशिष्टता बढ़ रही है।

एक और चीज़ जो मैं चाहता हूँ कि आप तलाश करें, वह है निर्णय और आशा के बीच के अनुपात को देखना। मुझे लगता है, हम इसे इस तरह चित्रित कर सकते हैं। जब हम अध्याय 28 की शुरुआत करते हैं, तो अधिकांश ध्यान निर्णय पर दिया जाता है, और अल्पमत ध्यान आशा पर दिया जाता है।

लेकिन जब आप अध्याय 33 के अंत तक आते हैं, तो अधिकांश जोर आशा पर होता है। तो, यह उतना साफ-सुथरा नहीं है, लेकिन मोटे तौर पर कहे तो ऐसा है। आपको इन अध्यायों में लगभग कोई आशा नहीं है, 33 तक पहुँचने तक आपके पास बहुत कम निर्णय होता है।

तो, उन दो चीज़ों पर ध्यान देना चाहिए, संकटों में बढ़ती विशिष्टता, समस्या क्या है, और निर्णय और आशा के बीच अनुपात में बदलाव। ठीक है, उस प्रकार के त्वरित सर्वेक्षण पर कोई प्रश्न? ठीक है, फिर आज रात को देखते हैं। अध्याय 28, पद 1 से 6. एप्रैम के पियक्कड़ों के घमण्डी मुकुट पर धिक्कार है, जो अपनी महिमामय सुन्दरता का मुरझाता हुआ फूल है, जो शराब के नशे में चूर लोगों की समृद्ध घाटी के सिर पर है।

देख, यहोवा के पास एक पराक्रमी और बलवन्त है, वह ओलों की आंधी, और विनाश करनेवाली आँधी, और प्रचण्ड बाढ़वाले तूफ़ान के समान है। वह अपने हाथ से एप्रैम के पियक्कड़ों के घमण्डी मुकुट को भूमि पर गिरा देता है। एप्रैम के पियक्कड़ों का घमण्डी मुकुट पांवों से रौंदा जाएगा।

इसकी शानदार सुंदरता का मुरझाया हुआ फूल, जो समृद्ध घाटी के सिर पर है, गर्मियों से पहले पहली बार पके अंजीर की तरह होगा। जब कोई इसे देखता है तो हाथ में आते ही निगल लेता है। अब, एप्रैम इसराइल है, उत्तरी राज्य।

यहूदा दक्षिणी राज्य की प्रमुख जनजाति है। एप्रैम उत्तरी साम्राज्य की प्रमुख जनजाति है। इसलिए, जब आप एप्रैम देखते हैं, तो वह कोड है, और आप उत्तरी साम्राज्य के बारे में बात कर रहे हैं।

तो, दूसरे शब्दों में, यह विशेष भविष्यवाणी 722 से पहले दी गई होगी। अब, मैंने यहां बाकी सामग्री के आधार पर कहा, ऐसा लगता है कि यह 710 के बाद किसी समय यहूदा पर केंद्रित है। तो, यह उन चीजों में से एक है हम इसके बारे में सोचना चाहेंगे।

अब, यशायाह या उनके शिष्यों में से एक, एक संपादक, वे इसे इस खंड में क्यों लाए हैं? इसका उद्देश्य क्या है? जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम इसके बारे में बात करना चाहेंगे। ठीक है, अब, यह मुकुट क्यों है, और मुझे लगता है, हाँ, मैंने पहाड़ी की चोटी पर एक मुकुट की तरह दिखने वाले कुछ क्षेत्र के बारे में बात की थी, पहाड़ी की चोटी पर दांतेदार दीवारें एक मुकुट की तरह दिख रही थीं, और यही तरीका था नगरों का निर्माण हुआ। इनका निर्माण पहाड़ियों पर किया गया था।

फिर, जब वे नष्ट हो गए, तो आपके पास बस मलबा था। आपके पास मलबे को हटाने के लिए अर्थमूवर के साथ आने के लिए कोई आरजी लेटन्यू नहीं था। आपने अभी-अभी उसके ऊपर अगला शहर बनाया है।

तो, प्राकृतिक पहाड़ी का निर्माण हुआ, और अंततः, आपको इस प्रकार की चीज़ मिल गई। तो, यहाँ यह मुकुट एक समृद्ध घाटी के शीर्ष पर है, और जिस घाटी में सामरिया ऊपर की ओर है वह एक बहुत, बहुत समृद्ध घाटी है। अब, उन्हें क्यों आंका जा रहा है? श्लोक 3, वे घमंडी हैं और क्या? पिया हुआ।

घमंडी और नशे में धुत्त। अब, वे दोनों मुद्दे एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं? ठीक है, जब आप घमंडी होते हैं, तो आप सोचते हैं कि आप जितना चाहें उतना पी सकते हैं। हाँ, मैं अपनी शराब संभाल सकता हूँ, हाँ।

जब तक आप फर्श पर लोट-पोट न हो जाएं। तुम्हें लगता है कि तुम अधिक बुद्धिमान हो। हाँ, सर, आप अब तक के सबसे बुद्धिमान, सबसे आकर्षक व्यक्ति हैं।

किसी उपलब्धि का जश्न मनाएं। हाँ, मैं कल्पना कर सकता हूँ कि आज रात न्यू ऑरलियन्स में कुछ नशे में धुत्त लोग हैं। वे सही निर्णय नहीं ले पाते।

हां हां। यह एक बड़ी विडंबना है कि बाकी दुनिया आप पर हंस रही है, और आप सोचते हैं कि आप दुनिया के सबसे स्मार्ट, सबसे अच्छे दिखने वाले, सबसे आकर्षक व्यक्ति हैं। और, वास्तव में, आपको मूर्ख कहकर मज़ाक उड़ाया जा रहा है।

तो, यहाँ हमारे पास घमंड और नशे के ये दो तत्व हैं। यहाँ मुकुट के लिए दो शब्द हैं। एक बात यह है कि इसका अनुवाद पुष्पांजलि के रूप में किया जा सकता है।

श्लोक 3, गौरवपूर्ण पुष्पांजलि। आप जानते हैं, पार्टी में शामिल होने वाला व्यक्ति जिसके सिर पर फूलों की माला है, या लैपशेड है, और उसके बाद सुबह, वह कीचड़ में रौंदा जाता है। और यशायाह कहता है, यही आपके उत्सव की माला, आपके मुकुट जो आपने पहना है, के साथ भी होने वाला है।

ठीक है, अब पद 5 और 6 पर चलते हैं। उस दिन, स्वर्ग की सेनाओं का प्रभु महिमा का मुकुट होगा, अपने बचे हुए लोगों के लिए सुंदरता का मुकुट होगा, और न्याय करने वालों के लिए न्याय की आत्मा होगा, और जो लड़ाई को फाटक पर लौटा देते हैं, उन्हें बल मिले। अब, मैं आपसे पूछता हूँ, श्लोक 1 से 4 और श्लोक 5 और 6 के बीच क्या संबंध है? उस रिश्ते का वर्णन करने के लिए हम किस शब्द का उपयोग करेंगे? कंट्रास्ट, हाँ. दो अलग-अलग मुकुटों के बीच विरोधाभास.

मेरे मतवाले अहंकार का मुकुट और प्रभु का मुकुट। और जब वह राजा होता है तो यहोवा क्या देता है? न्याय और शक्ति. हां हां।

अब, मैंने इसके बारे में बहुत बात की है, यह पृष्ठभूमि में है, लेकिन फिर से याद रखें, हमारे पास अनुवाद की समस्या है। आपके पास एक हिब्रू शब्द है, और वह शब्द है मिशपत। अंग्रेजी लिप्यंतरण में यह बहुत सुंदर लगने वाला शब्द नहीं है।

लेकिन तीन व्यंजन, एसएच व्यंजन, पी व्यंजन और जोरदार टी व्यंजन, क्रम के विचार से संबंधित हैं। एक न्यायाधीश, एक शॉफ़्ट, वह व्यक्ति होता है जो समाज में उचित व्यवस्था बहाल करता है। और मिशपत, तो फिर, वह उचित क्रम है।

इसका अनुवाद किया जाएगा, यह एक ही शब्द है, लेकिन यहां इसका अनुवाद दो अलग-अलग तरीकों से किया गया है। यह अनूदित न्याय है, यह अनूदित निर्णय भी है। ये दोनों गलत नहीं हैं, लेकिन समस्या यह है कि अगर हम सोचते हैं कि यही सब कुछ है, तो यह बहुत संकीर्ण है।

न्याय की भावना केवल कानूनी समानता नहीं है। अब, मुझे पता है कि मैंने यह कई बार कहा है, लेकिन दोहराव शिक्षा का मूल है। यदि आपको यह समझ में नहीं आया, तो दोहराव शिक्षा का मूल है।

तो हम यहां जिस बारे में बात कर रहे हैं वह यह है कि भगवान मानव समाज में, सृष्टि में व्यवस्था स्थापित करने के लिए राजा के रूप में आएंगे, जैसा कि उन्होंने निर्माता के रूप में चाहा था। अब, इसमें निश्चित रूप से कानूनी इकिटी शामिल होगी। लेकिन कानूनी समानता ईश्वर हमारे लिए जो करने आया है उसका केवल एक हिस्सा है।

जब भगवान मिशपत को आपके जीवन में लाते हैं, तो वह उस व्यवस्था को बहाल करते हैं जिसका उद्देश्य वहां होना था, वास्तव में, नशे का सामना सीधे तौर पर होता है, जैसे कि अहंकार

सामने आता है। इसलिए वह राजा के रूप में आएगा, और वह वही करेगा जो ये शराबी, एप्रैम में ये नेता करने में असफल रहे हैं। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं।

28.7-13 ये भी दाखमधु से लड़खड़ाते हैं, और मदिरा से लड़खड़ाते हैं। याजक और भविष्यवक्ता तेज़ मदिरा के नशे में झूम रहे हैं। वे शराब से निगल गए हैं।

वे तेज़ पेय से लड़खड़ाते हैं। वे दृष्टि में रील करते हैं। वे निर्णय देने में चूक जाते हैं।

सभी टेबलें गंदी उल्टी से भरी हुई हैं और कोई जगह नहीं बची है। वह ज्ञान किसे सिखाएगा? वह संदेश किसे समझाएगा? जो दूध से छुड़ाए गए हैं, जो स्तन से निकाले गए हैं? इसके लिए...अब, यह हिब्रू है। काव वाकाव .

काव वाकाव . और मैं अगला शब्द भूल गया हूं, लेकिन यह है... लीव वी'लीव । लीव वलीव ।

जब से यशायाह ने यह लिखा है तब से लोगों को यह समझने में कठिनाई हो रही है कि वह किस बारे में बात कर रहा है। नियम पर नियम, नियम पर नियम, नियम पर नियम, नियम पर नियम, शायद सही नहीं है। संभवतः ये बकवास शब्दांश हैं।

एक संभावना यह है कि वे सरल शब्दांश हो सकते हैं जिनका उपयोग पढ़ना और लिखना सिखाने के लिए किया जा सकता है। लेकिन यह सिद्धांत और लाइन नहीं है। यह बहुत ज्यादा कह रहा है।

उनका कहना है, कोरिंथियंस में पॉल की तरह, आप लोगों को दूध से कहीं आगे होना चाहिए। तुम्हें सुसमाचार के पक्ष में रहना चाहिए। लेकिन हे, मैं तुम्हें दूध के अलावा कुछ नहीं दे सकता।

यह काव है वाकाव . लीव वलीव . आप लोग बस इसी के लिए तैयार हैं।

पद 11 क्योंकि यहोवा अपक्की प्रजा से, जिस से उस ने कहा है, यह विश्राम है, पराए होठोंवाले और परायी भाषा में बातें करेगा। थके हुए को विश्राम दो। यह विश्राम है।

तौभी उन्होंने न सुना, इसलिये यहोवा का वचन उनके लिये होगा, काव वाकाव . काव वाकाव . लीव वलीव ।

लीव वलीव । कि वे जाकर पीछे गिरें, और टूट जाएं, और फंदे में फंस जाएं, और पकड़े जाएं। वाह!

अब, इसका श्लोक 1 से 4 तक क्या संबंध है? मैं यह जानता हूं, लेकिन इसका उत्तर क्या है? यदि आप इतने नशे में और उच्छृंखल हैं और सामान रखते हैं, तो आपके पास कोई निर्णय नहीं है, आप एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं। ठीक है। श्लोक 1 से 4 हमें उस सामान्य चित्र की तरह बताते हैं।

अब हम और अधिक विशिष्ट हो रहे हैं। हम और अधिक विशिष्ट हो रहे हैं। वह कौन है जो नशे में है? यह सब नेतृत्व है।

वह कौन है पुजारी, पैगम्बर, राजा, कुलीन, हर कोई। और, अगर यह नेतृत्व के लिए सच है, तो लोगों के साथ क्या होने वाला है? श्लोक 9 को देखें। वे अँधेरे में छोड़ दिये जायेंगे, है न? वे समझ नहीं पा रहे हैं कि ये शराबी उन्हें क्या सिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

नेतृत्व की विफलता के कारण लोग छोटे बच्चे बनकर रह जायेंगे जिन्हें यह समझ नहीं आएगा कि जीवन के वास्तविक मुद्दे क्या हैं। यशायाह है, और यह सभी भविष्यवक्ताओं के बारे में सच है, वे उस नेतृत्व के प्रति कटु विरोधी हैं जिसने लोगों को विफल कर दिया है, और इसलिए, लोग इस दुखद स्थिति में हैं क्योंकि नेता हैं। और यहां यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या वे सचमुच नशे में हैं या वे रूपक रूप से नशे में हैं? क्या वे अपने अहंकार में मतवाले हैं? क्या वे अपनी ही उपलब्धियों के नशे में हैं? क्या वे अपनी ही डिग्रियों के नशे में हैं? मैं इसका उत्तर नहीं दे सकता।

मुझे लगता है कि यह दोनों हो सकता है और मुझे लगता है कि यह शाब्दिक नशा हो सकता है, लेकिन मुझे यह भी लगता है कि यह बहुत संभव है कि यह आध्यात्मिक नशा हो। मुद्दा यह है कि उनका ध्यान अपनी आत्म-संतुष्टि पर है, न कि अपने लोगों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों पर।

और लोग, फिर, शिशुओं की इस स्थिति में हैं जो वास्तव में... ..अधिक समझ में आता है, यह मेरे लिए है अगर वे गर्व और वह सब नहीं होते। क्योंकि उससे लोगों को धोखा दिया जा सकता है... हाँ, हाँ, हाँ, हाँ, हाँ। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी बात है।

मुझे नहीं पता कि आप सभी ने यह सुना है या नहीं। वह कह रही है कि यदि यह रूपक है तो इसका अधिक अर्थ हो सकता है क्योंकि यदि यह रूपक मादकता है तो लोग यह नहीं समझ सकते कि नेता किस चीज़ के नशे में हैं। जबकि अगर वे सचमुच नशे में हैं, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है।

वे वोट देते हैं और आप विश्वास करते हैं और आप धक्का देते हैं। और लोग अनुसरण करते हैं क्योंकि आपने ऐसा कहा है। हाँ, हाँ, वह नेता है, इसलिए उसे पता होना चाहिए कि क्या हो रहा है।

वह जो कहा जा रहा है उस पर विश्वास करता है। हाँ हाँ हाँ हाँ। श्लोक 11.

अजीब होठों वाले लोग, ये हैं असीरियन. अब, असीरियन एक सेमिटिक भाषा है जो काफी हद तक हिब्रू से संबंधित है लेकिन फिर भी, यह इतना अलग है कि आम लोगों को पता नहीं चल पाता कि क्या हो रहा है। तो वह कहते हैं, आप जानते हैं, चूंकि आपके नेताओं ने आपको वास्तविकता और जीवन के बारे में सच्चाई नहीं सिखाई है, इसलिए मुझे आपको जीवन की वास्तविकताएं सिखाने के लिए इन लोगों को लाना होगा।

और मैं यहां पूछता हूं, वे कौन से अजीब होठ वाले लोग हैं जिनके साथ भगवान हमसे बात कर रहे होंगे? अरबों के बारे में क्या ख्याल है? भगवान इन अजीब होठों वाले लोगों के माध्यम से हमसे

क्या कहना चाह रहे होंगे? हमें लगता है कि वे सिर्फ हमारे दुश्मन हैं। हम बस यही सोचते हैं कि वे आतंकवादी हैं जो हमें पकड़ना चाहते हैं। और यह निश्चित रूप से सच है।

लेकिन साथ ही, यह मेरे लिए बहुत ही आकर्षक है कि 9-11 के बाद का पश्चाताप तुरंत कैसे गायब हो गया। दो सप्ताह तक चर्च भरे रहे। और भगवान हमसे क्या कहना चाह रहे हैं? मैंने तुम्हें मार डाला, फिर तुमने मुझे देखा।

खैर, आप कब तक भौतिकवाद में जीवित रहेंगे? आप मनोरंजन के प्रति अपने जुनून के साथ कब तक जीवित रहेंगे? और अपने अभिमान से? हां हां हां हां। हम दुनिया के सबसे महान राष्ट्र हैं। किसी को भी यह जानना चाहिए।

हाँ? हाँ? हां, हां। आप निश्चित रूप से इतिहास के दौरान इसके उदाहरण पा सकते हैं। तो, मेरी बात सुनो।

मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूँ कि मुझे लगता है, उद्धरण, हम आतंकवाद या उस तरह की किसी भी चीज़ के लायक हैं। मैं बस यह कह रहा हूँ कि भगवान, दुनिया के अपने शासन में, इस प्रकार की सभी घटनाओं का उपयोग करने में सक्षम हैं यदि हमारे पास सुनने के लिए कान हैं। अगर हम नशे में नहीं हैं।

और मुझे डर है कि अमेरिका काफी नशे में है। हम नहीं सुन रहे हैं। आइए बस उन लोगों को नष्ट कर दें और हम ठीक हो जाएंगे।

और भगवान कहते हैं, ठीक है, शायद आप उन्हें नष्ट कर सकते हैं, लेकिन जब आप ऐसा करेंगे तो आप ठीक नहीं होंगे। ठीक है, उपदेश समाप्त। यह उपदेश, वैसे भी।

ठीक है। अब, मैं श्लोक 13 के अंत में प्रार्थना करता हूँ, कि वे जाएं और पीछे की ओर गिरें और टूट जाएं और फंस जाएं और पकड़े जाएं। क्या भगवान नहीं चाहते कि वे ठीक हो जाएं? क्या आपको अध्याय छह में हमारी चर्चा याद है? बेशक, वह चाहता है कि हम ठीक हो जाएँ।

लेकिन, यशायाह की पीढ़ी की तरह, हम उस बिंदु पर पहुंच सकते हैं जहां एकमात्र आशा न्याय की आग से गुजरना है। हे भगवान, हमें बचा लो, क्योंकि हम बहुत अच्छे लोग हैं। हे प्रभु, हमारा उद्धार करो, क्योंकि हम तुम्हारे सबसे अच्छे सेवक हैं।

हे प्रभु, हमें बचाइए, क्योंकि अगर हम आपके लिए चर्च जाने के लिए मौजूद नहीं हैं तो आप क्या करेंगे? काव, व'काव . लव, व्लाव । मजबूत सामान।

ठीक है। अब, श्लोक 14 में परिवर्तन को देखें। श्लोक 14 में वह किससे बात कर रहा है? कहाँ? हाँ।

हाँ। हम एप्रेम के बारे में बात करने से आगे बढ़कर यरूशलेम के बारे में बात करने लगे हैं। यहां मेरा अनुमान यह है कि यशायाह या उनके शिष्यों में से एक, उनके संपादक, ने एक भाषण

निकाला है जो उन्होंने 722 से कुछ समय पहले एप्रैम को दिया था, जो अब हुकुमों में पूरा हो गया है और यरूशलेम से बात करने वाले इस खंड में शामिल होने के लिए इसे यहां लाया है। लगभग 710.

दूसरे शब्दों में, दोस्तों, 15 साल पहले, यशायाह ने सामरिया के बारे में यह कहा था। सामरिया आज कहाँ उन पार्टी पुष्पमालाओं में से एक की तरह ज़मीन पर रौंदा गया है? यरूशलेम? क्या आप कुछ सुन सकते हैं? अब, मैं कहता हूँ कि मैं इसे साबित नहीं कर सकता, लेकिन यह बहुत दिलचस्प है कि इस पूरे खंड का बाकी हिस्सा यरूशलेम और यहूदा को संबोधित किया जाएगा, लेकिन केवल ये पहले 13 छंद उत्तरी साम्राज्य को संबोधित थे। जैसा कि मैं कहता हूँ, मुझे लगता है कि इसे यह कहने के लिए खींचा गया है कि एक पूरा हो गया।

आपको क्या लगता है इस संदेश का क्या होगा? ठीक है। अब, मैंने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया है कि उपहास पुराने नियम में निंदा का सबसे खराब शब्द है, और इसे कभी-कभी मूर्ख के रूप में अनुवादित किया जाता है। इसीलिए यीशु नए नियम में कहते हैं, लोगों को मूर्ख मत कहो।

अब, हमारे लिए, आप जानते हैं, वह सिर्फ एक जोकर है। तुम बेवकूफ। लेकिन यहाँ, नहीं, यह वह व्यक्ति है जो न केवल गलत करता है, बल्कि सही का मज़ाक उड़ाता है, और वे मूर्ख हैं।

तुम्हें पता है, भजन, मूर्ख ने अपने दिल में कहा है कि कोई भगवान नहीं है। उपहास करने वाला, ठट्ठा करने वाला, और भजन 1 में, तुम बैठना नहीं चाहते, तुम चलना नहीं चाहते, पापी के साथ, तुम दुष्टों के साथ नहीं बैठना चाहते, क्षमा करें, मैं ले लूँगा ठीक है, दुष्टों के साथ खड़े रहो, या ठट्ठा करनेवाले के साथ बैठो। तो, यह सशक्त भाषा है।

इसलिये, हे ठट्ठा करनेवालों, जो यरूशलेम में इस प्रजा पर प्रभुता करते हो, यहोवा का वचन सुनो। उन्होंने क्या किया है? श्लोक 15, उन्होंने शैतान के साथ, मृत्यु के साथ एक समझौता किया है। अब, यह आश्चर्य करना दिलचस्प है, मुझे लगता है कि दो संभावनाएँ हैं।

एक तो यह कि यशायाह उनका मज़ाक उड़ा रहा है। वह कहता है, तू ने मिस्र से सन्धि की है, परन्तु मैं तुझ से कहना चाहता हूँ, कि जिस पर तू ने वास्तव में सन्धि की है वह मृत्यु है। यह एक संभावना है, कि वह उनका मज़ाक उड़ा रहा है।

हालाँकि दूसरी संभावना यह है, और मेरा झुकाव इस दिशा में थोड़ा अधिक है, कनानियों के बीच एक देवता है, जिसे डेथ, मोट कहा जाता है। और कनानी मिथकों में, बाल, तूफान देवता, और मोट, मृत्यु के देवता, लड़ते हैं। और आरंभ में, मोट बाल को हरा देता है और उसे खा जाता है।

उसकी बहन को जाना होगा और मोट को उसे फिर से खांसी दिलानी होगी। तुम्हें पता है, बड़ी बहनों। लेकिन यह बिल्कुल भी असंभव नहीं है, कि उन्होंने वास्तव में मृत्यु के देवता के साथ एक अनुबंध किया है, जो कथित तौर पर उन्हें मृत्यु से बचा सकता है।

और यशायाह कह रहा है, किसी भी स्थिति में, चाहे मिस्र हो या यह देवता, वह तुम्हें विफल कर देगा। वे कौन से झूठ हैं जिनकी शरण लेने के लिए हम कभी-कभी प्रलोभित हो जाते हैं? सैन्य ताकत? हाँ। यदि हमारे पास पर्याप्त हथियार हैं, तो कोई भी हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

धन? ओह हां। ओह हां। भौतिकवाद? हाँ।

अगर मेरे पास बैंक में पर्याप्त पैसा है, अगर मेरे घर में पर्याप्त सामान है, शांति? हाँ। Gated समुदायों? भगवान हमारे पक्ष में है? हाँ। हमने उसे अपनी पिछली जेब में रख लिया है।

इस प्रकार की बहुत सी चीज़ें हैं जो हमें अपने झूठ के कारण वास्तविकता का सामना करने से रोकती हैं। और यशायाह डराते हुए कहता है, कई मायनों में, यह एक उपहास करने वाला बनना है। आपने वास्तविक अच्छाई को नकार दिया है और उसकी जगह अन्य चीज़ें ले ली हैं।

अब एक बार फिर, हमारे इस अद्भुत देश के लिए भगवान को धन्यवाद। भगवान को उन सभी आशीर्वादों के लिए धन्यवाद जो उन्होंने हमें दिए हैं। डिट्रिच बोन्होफ़र के शब्दों के बार-बार दोहराए जाने पर भी, मुझे लगता है कि आप वास्तव में केवल तभी किसी चीज़ के मालिक हो सकते हैं यदि आप दिल से जानते हैं कि आप इसके बिना बेहतर होंगे।

क्या यह दिलचस्प नहीं है? जब तक मैं सोचता हूँ कि मेरे पास कुछ होना चाहिए, तब तक वह मेरा मालिक है। जब मुझे पता है, अरे, यह एक उपहार है। यदि यह चला गया, तो शायद मैं बेहतर स्थिति में रहूँगा।

अब मैं, मैं अपने आप से उतना ही बात कर रहा हूँ जितना मैं यहां आप में से किसी से भी बात कर रहा हूँ। लेकिन मुझे लगता है कि इस धन्य देश में हम एक चट्टान के किनारे पर चल रहे हैं। और हममें से प्रत्येक को इस बात के प्रति निरंतर जागरूक रहना होगा कि मैं वास्तव में किस पर निर्भर हूँ।

फिर, भजन. कल का भजन स्पोफ़ोर्ड था। यह मेरी आत्मा के लिए सुखद है।

अक्सर, इंग्लैंड जाते समय रास्ते में उनकी चार बेटियों को खोने की कहानी सुनाई जाती है। लेकिन यह अक्सर नहीं बताया जाता कि वास्तव में उन्होंने शिकागो की आग में बहुत बड़ी संपत्ति खो दी थी। और उनका इकलौता बेटा मर गया था।

जब शांति नदी की तरह मेरी आत्मा में समा जाती है, जब दुख समुद्र की लहरों की तरह बहते हैं। बहुत खूब। वह आदमी जानता था कि क्या मायने रखता है।

वह सब कुछ खो सकता है और फिर भी गा सकता है। ओह, मैं यहीं रहना चाहता हूँ। क्षमा? यह है, यह शायद सटीक नहीं है।

लेकिन ऐसा था, आप किसी भी चीज़ पर तभी सुरक्षित रूप से कब्ज़ा कर सकते हैं जब आप ईमानदारी से उसके बिना खुद को बेहतर महसूस कर सकें। ठीक है। श्लोक 16 में ईश्वर का मारक है।

तू ने झूठ को अपना आश्रय बनाया है, परन्तु मैं ही हूँ, जिस ने सिव्योन में नेव के लिये एक परखा हुआ पत्थर, और पक्की नेव का बहुमूल्य कोने का पत्थर रखा है। जो कोई विश्वास करेगा वह जल्दबाजी नहीं करेगा। मैं वह आखिरी पंक्ति हमेशा भूल जाता हूँ।

मुझे याद है कि आपने सिव्योन में यह आधारशिला रखी थी, एक परीक्षित पत्थर। हाँ, वह यीशु है। और इसका मतलब यह है कि जो कोई विश्वास करेगा वह जल्दबाजी नहीं करेगा।

हाँ। एक आधारशिला है जो टिकती है, और चाहे कुछ भी हो जाए, वह कायम रहेगी। और अगर हम यह जान लें तो हम आत्मविश्वास से जी सकते हैं।

किसी भी तरह अपनी समस्याओं को हल करने के लिए मिस्र जाने की जरूरत नहीं है। मुझे पीटरसन का संदेश फिर से मिला। हाँ।

उन्होंने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है कि एक भरोसेमंद जिंदगी कभी नहीं गिरेगी। एक भरोसेमंद जीवन नहीं गिरेगा। वह पीटरसन है।

हाँ। अच्छा। ठीक है।

खैर, हम अंत पर आते हैं। हाँ, और हाँ, मैंने एक अध्याय के तीन-चौथाई पर 50 मिनट बिताए हैं। ठीक है।

हम एक लंबे ग्राफिक चित्रण के साथ अध्याय 28 के अंत पर आते हैं। अब इसे याद रखें क्योंकि मैं इसे अगले सप्ताह फिर से पूछने जा रहा हूँ। मुझे पता है क्योंकि मैंने अगले सप्ताह की अध्ययन मार्गदर्शिका आज दोपहर को लिखी है।

यशायाह किस लिए प्रसिद्ध है? ग्राफिक चित्रण. वह अपनी बात स्पष्ट करने के लिए एक विस्तृत चित्र बनाएगा। उसने अध्याय 3 में यरूशलेम की महिलाओं के साथ उनके साज-सज्जा की पूरी सूची के साथ ऐसा किया, जिस पर वे निर्भर थीं।

उसने अध्याय 5 में अंगूर के बगीचे के साथ फिर से ऐसा किया जब इस खूबसूरत महंगे अंगूर के बगीचे में केवल कड़वे अंगूर पैदा हुए। यहाँ यह फिर से है. अब, भगवान कह रहे हैं, देखो, दुनिया कुछ खास तरीकों से संचालित होने के लिए बनी है।

यदि आप उन तरीकों के अनुरूप रहते हैं, तो आप सुरक्षित रह सकते हैं। दुनिया आपके चारों ओर टुकड़ों में उड़ सकती है, लेकिन आप उस आधारशिला पर स्थिर हो सकते हैं और आप जानते हैं कि आप कौन हैं, आप जानते हैं कि आप कहां हैं, आप जानते हैं कि आप क्या हैं। दुनिया ऐसे ही बनी है।

परन्तु एप्रेम के ये मतवाले, यरूशलेम के ये ठट्टा करनेवाले, ऐसा प्रतीत होता है कि वे इसे अपने दिमाग में नहीं ला सकते। नहीं नहीं नहीं नहीं। दुनिया मेरे लिए मौजूद है।

यह मेरी खुशी के लिए, मेरी इच्छाओं के लिए मौजूद है। मैं हमेशा 1 जॉन के बारे में सोचता हूँ। वह इसे बहुत अच्छे से पकड़ता है।

शरीर की वासना, शारीरिक सुख ही मुझे वास्तव में चाहिए, आंखों की वासना, अगर मैं जो कुछ भी देखता हूँ उसका मालिक हो सकता, और जीवन का गौरव। इतना ही। इतना ही।

नहीं, अगर आनंद छीन लिया जाए, अगर चीजें छीन ली जाएं, अगर सभी पद और उपलब्धियां छीन ली जाएं, तो आप हमेशा के लिए खड़े रहेंगे, और मैं आप में सुरक्षित हूँ, और मुझे यहां से वहां भागना नहीं पड़ेगा। अन्य जगह इसे खत्म करने की कोशिश की जा रही है। अब, फिर वह इन सात श्लोकों, 23 से 29 तक में क्या शिक्षा दे रहा है? खैर, मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही सरल सबक है।

यहाँ इस अज्ञानी किसान को देखो। उसके पास वह शिक्षा नहीं है जो राजधानी शहर के इन सभी नशे में धुत्त उपहास करने वालों के पास है, लेकिन वह इतना चतुर है कि जानता है कि आप पहले हल नहीं चलाते हैं और फिर हल चलाते हैं। वह इतना चतुर है कि जानता है कि जुताई से पहले बीज नहीं बोना चाहिए।

वह इतना चतुर है कि जानता है कि आपको भीषण गर्मी में बीज नहीं बोना चाहिए। वह यह जानने के लिए काफी चतुर है कि दुनिया कुछ खास तरीकों से काम करने के लिए बनी है। आप लोग इसे अपने दिमाग में क्यों नहीं बिठा पाते? हाँ।

और आप देखते हैं कि यह कैसे समाप्त होता है, 28 में अंतिम श्लोक। यह भी प्रभु की ओर से आता है। वह परामर्श में अद्भुत और बुद्धि में उत्कृष्ट है।

हाँ। दुनिया कुछ खास तरीकों से संचालित होने के लिए बनी है। आप उन तरीकों से जियें, आप सुरक्षित रहेंगे।

आप उन तरीकों से नहीं जीते हैं, कुछ भी काम नहीं करेगा और आपको आश्चर्य होगा कि यह काम क्यों नहीं करता है। फिर से, आप हमारी दुनिया को देखते हैं और कहते हैं, हे भगवान, यशायाह, अब आप कहाँ हैं? हमें अब आपकी जरूरत है. ठीक है।

चार मिनट, अध्याय 29. एरियल, जॉन डेर कल इस बारे में पूछ रहे थे। हम वास्तव में निश्चित रूप से नहीं जानते कि इसका क्या मतलब है।

यह भगवान का शहर हो सकता है। अरी शहर है और एल भगवान है। ऐसा हो सकता है, हालाँकि यदि ऐसा है, तो यह एकमात्र स्थान है जिसका उपयोग इस तरह किया जाएगा।

दूसरा, एक शब्द है, एरियल, जिसका अर्थ है चूल्हा। और कुछ लोग ऐसा सोचते हैं, लेकिन यह काफी स्पष्ट है कि हम यरूशलेम के बारे में बात कर रहे हैं। जिस नगर में दाऊद ने डेरे डाले थे, उस में वर्ष प्रति वर्ष मेल मिलाप होता रहे, और उत्सव होते रहें।

इससे आपका कोई भला नहीं होने वाला। जैसा कि मैंने आपको पहले कहा है, समस्या यह थी कि लोग कहते थे, ठीक है, अरे, अगर हम यहाँ उसे बलिदान देने के लिए नहीं हैं तो भगवान क्या खाएगा? यदि भगवान का घर जल गया तो उन्हें कहाँ नींद आएगी? इसलिए उसे हमारा बलिदान देना होगा। वह घर को जलने नहीं दे सकता।

और भगवान ने कहा, बस देखते रहो. श्लोक चार, तुम्हें नीचा दिखाया जाएगा। तुम पृथ्वी से बोलोगे।

धूलि से तेरी वाणी झुक जाएगी। आपकी आवाज भूत की आवाज की तरह जमीन से आएगी। धूल से तेरी वाणी फुसफुसायेगी।

वह कम है. जैसा कि उस आदमी ने कहा, मैं बहुत नीचे हूँ, मुझे कीड़ों को देखने के लिए ऊपर देखना होगा। लेकिन अब देखो, पद पाँच।

परन्तु तेरे परदेशी शत्रुओं की भीड़ धूल के समान और क्रूर लोगों की भीड़ उड़ती हुई भूसी के समान होगी। एक पल में, अचानक, सेनाओं का प्रभु आपसे मिलने आएगा। विरोधाभास, नाटकीय विरोधाभास.

और अब, पहली बार, हमें आशा का एक लंबा मार्ग मिलना शुरू हुआ है। और यह श्लोक आठ तक जाता है। पद सात, जितने राष्ट्रों की भीड़ एरियल से लड़ती है, वे सब जो उसके और उसके गढ़ से लड़ते हैं और उसे संकट में डालते हैं, स्वप्न के समान रात का दर्शन होगा।

तो हाँ, निर्णय आ रहा है। लेकिन निर्णय कभी भी ईश्वर का अंतिम निर्णय नहीं होता। मुझे आशा है कि जब हम इस पर काम करेंगे, तो आप कहेंगे, मुझे ओसवाल्ड द्वारा कही गई एक या दो बातें याद हैं।

मुझे आशा है कि वह उनमें से एक होगा। आइए इसे एक साथ कहें। निर्णय कभी भी ईश्वर का अंतिम निर्णय नहीं होता।

अब हो सकता है कि मैं उसकी रिफाइनिंग फायर को अपना काम ही न करने दूँ. निर्णय उसका अंतिम शब्द हो सकता है, लेकिन यह उसका इच्छित अंतिम शब्द नहीं है। न्याय का उद्देश्य हमेशा पश्चाताप, शुद्धिकरण और नवीनीकरण की ओर ले जाना होता है।

और यही आप यहां देख रहे हैं। परन्तु फिर, श्लोक नौ, अपने आप को चकित करो और चकित होओ, अपने आप को अंधा करो और अंधे बनो, नशे में रहो, लेकिन शराब से नहीं। मुझे लगता है कि यह उस बात का समर्थन करता है जो मैरी जो पहले कह रही थी।

लड़खड़ाओ, परन्तु मदिरा पीकर नहीं, क्योंकि यहोवा ने तुम को गहरी नींद में डाल दिया है। यहाँ फिर से कुछ ऐसा है जो यशायाह की खासियत है। जब भी वह आशा की, आने वाली मुक्ति की, आने वाले नवीनीकरण की धूसर तस्वीर प्रस्तुत करता है, तो वह हमें वर्तमान में वापस ले आता है।

यह मत कहो, ओह ठीक है, सब कुछ ठीक हो जाएगा ताकि मैं अपना पाप जारी रख सकूँ। अंत में एक अच्छी खबर है। हम जीतते हैं, इसलिए मैं नर्क की तरह जी सकता हूँ।

और यशायाह आपको हर बार वापस बुलाएगा और कहेगा, नहीं, आप ऐसा नहीं कर सकते। नहीं, आप नहीं कर सकते। वहाँ आशा है, लेकिन यह आशा उन लोगों के लिए है जो परिष्कृत हैं, न कि उन लोगों के लिए जो अपने अहंकार में बने रहते हैं।

तो फिर, आपको उन लोगों की यह तस्वीर मिलती है जो अज्ञानी हैं। पद 11, इन सब बातों का दर्शन तुम्हारे लिये उस पुस्तक के शब्दों के समान हो गया है जो बन्द कर दी गई है। जब मनुष्य इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देते हैं जो पढ़ सकता है, और कहता है, इसे पढ़ो, तो वह कहता है, मैं नहीं पढ़ सकता, क्योंकि यह मुहरबंद है।

जब वे इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देते हैं जो पढ़ नहीं सकता और कहता है, इसे पढ़ो, तो वह कहता है, मैं नहीं पढ़ सकता। हाँ? और फिर यह श्लोक 13 वह है जिससे मैं व्यक्तिगत रूप से दूर नहीं जा सकता। ये लोग मुंह से मेरे समीप आते और होठों से मेरा आदर करते हैं, और उनके मन मुझ से दूर रहते हैं, और उनका मुझ से भय मानना, अर्थात् उनका व्यवहार मनुष्यों की सिखाई हुई आज्ञा है।

मैं धर्मनिष्ठ जीवन क्यों जी रहा हूँ? खैर, क्योंकि मेरे माता-पिता ईसाई थे। क्योंकि मैं एक ईसाई कॉलेज में गया, एक ईसाई मदरसा में गया, एक ऐसे मदरसे में पढ़ाता हूँ जिसमें नैतिकता का विवरण होता है। क्या यह ईश्वर के साथ मेरे रिश्ते का परिणाम है? हे मेरे उद्धारकर्ता, मैं आपको नाराज नहीं करना चाहता।

मैं तुम्हें फिर से सूली पर चढ़ाना नहीं चाहता। मैं आपके जैसा बनना चाहता हूँ, मेरे उद्धारकर्ता। बाह्य रूप से, दोनों का व्यवहार काफी हद तक एक जैसा लग सकता है।

लेकिन अगर आप उनके स्रोतों का पता लगाएं, तो यह आदत और घमंड का परिणाम है। वह प्रभु के प्रति प्रेम का परिणाम है। ठीक है, मुझे लगता है हम यहीं रुकेंगे।

हम इस अगली विपत्ति को अगले सप्ताह उठाएंगे, 2915, और हम एक घंटे में ढाई अध्याय करने का प्रयास करेंगे। और तुम क्यों हंस रहे हो? मुझे प्रार्थना करने दीजिए. पिताजी, धन्यवाद.

चेतावनी के शब्दों के लिए धन्यवाद, ऐसे शब्द जो हमें चुनौती देते हैं। ओह, इस धन्य देश में, इस धन्य छोटे शहर में, हमारे लिए अपने मुंह से आपके करीब आना कितना आसान है। हमारे दिल वास्तव में आपसे बहुत दूर हैं।

हे प्रभु, हम पर दया करो। हमें उन शराबी न बनने में मदद करें जो इतने मूर्ख हैं कि वे वह चीज़ भी नहीं सीख सकते जो एक किसान जानता है। एक मार्ग है जो जीवन की ओर ले जाता है, और एक मार्ग है जो मृत्यु की ओर ले जाता है।

हे प्रभु, हमें जीवन के मार्ग पर चलने में मदद करें, इसलिए नहीं कि हम डरते हैं कि आप हमें नरक में भेज देंगे, बल्कि इसलिए कि हम आपसे प्यार करते हैं कि आपने हमें अंधेरे में पाया और हर सुख-दुख में हमारे साथ बने रहे। धन्यवाद। आपके नाम पर, आमीन।

बहुत - बहुत धन्यवाद। मैं सचमुच आपके सोमवार-दर-सोमवार आने की सराहना करता हूँ। मुझे यह करना होगा, और अगर यहां कोई नहीं होगा तो यह मुश्किल होगा।

इसलिए आपका धन्यवाद।

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 14, यशायाह अध्याय 28 और 29 है।